श्री

अमरसिंघ हाडीको

उजीरांतलीकृत

ताकोशुद्ध ०करके

पं॰ सतुरामजीसुंदरमल

इन्होनें

मुंबईमें

ज्ञानसागरलियोप्रेसमें छपाकर प्र॰ किया

आवृत्ती ५ वी

संवत १९७० सन १९१२ई॰

जाहिर खबर.

परदेशी ग्राहकोंसें यह प्रार्थना हैकि, पत्रमें ठिकाना, गांव, जिला, स्टेशन और नाम चिठीमें खुलासा लिखना चाहिये. ऐसा नलिखनेसे माल और जुबाब नहीं भेजा जावेगा. यदि रेल द्वारा माल मगाना होतो स्टेशनका नाम लिखना चाहिये. और डाकमें मंगाना होतो डाकखानेका नाम आनेके साथहि माल जल्दी भेजा जावेंगा. बहोतेक महाशये और बुकसेलर हमारी दुकानसें माल मंगाता है. उनकों व्यापारी भावसें भेजा जाता है. हमारे दुकानमें नानु-उजीरा-प्रल्हादीराम-झालीरामकृत सब ख्याल मिलेंगा. (बडासूचीपत्र मंगादेखो.)

पता. } **संतुरामजी सुंदरमल**
प्राचीनपुस्तकालय
गोपालवाडी-मुंबई नं. २

श्रीगणेशायनमः

अथअमरसिंघहाडीरानीको ख्यालप्रारंभः

।टेर॥ आयेनकीवतषतदिल्लीपतस्याजानीवद
स्यायके ॥ दोहा ॥ दादाआदमआदमनादी
मंगलमुरवीगनेसं ॥ ददअक्षरकूदालियोसमा
ईसुभगुणदवोह्मेस ॥ सिधपतीकरतारमनाऊं
करहिरदेपरवेसजी ॥ म्हेस्याज्या० ॥१॥ सिंघ
चढीसिरछत्रविराजेमस्तकवींदालाल ॥ गोविं
दरामगुरुदेवकरोबालकसिरपरप्रतपाल ।तेली
चतुरउजीरबुणायाअमरसिंघकाख्यालजी ॥
म्हेस्या० ॥२॥ हुकमदियोहैवदस्यामुजकूंकरू
कन्चेडीताजा ॥ मैनकीबवदस्याकेआगेनहीं
ओरकासाजा ॥ प्रथमसलामीजैपुरवाला
करीमानसिंगराजाजी ॥ म्हेस्याज्या० ॥
३॥ वदस्याहूके करणा सलामी आवैस

त्तरखान ॥ लखनेऊका नबाबआयासेर खानपठान ॥ छूटभैयाकी गीणती नाई सा ज्याकैदरम्यानजी ॥ म्हैस्याज्या० ॥ ४ ॥ सलाबद बदस्याको सालोबडी हुरमको भाई ॥ वाईसीकाबील है उसके पैदल सबीसी पाई ॥ हजरतकी मरजीसेकुरता सल्लाबतब दस्याईजी ॥ म्हैस्या० ॥५॥ गोडाटीसेंचाल के सयोआयो अरजुन गोंड ॥ भाईबेटास बहीआयाओरसगाकीजोड ॥ मारवाडसें आयोअमरसिंघ छत्रपतीराठोडजी ॥ म्है स्याज्या० ॥ ६ ॥ कबित्त ॥ अमरसिंघको ॥ सारदासे मांगकरूं तोकूमैं मनाकमैंयादेवो बुधवाकबानीसचीतुंजुवालाहे ॥ सिंघनप- रचढीसीस सुबरनका छत्रसजैहरियलसा चोलागलै रुंडनकी मालाहे ॥ मस्तकपैं तिल कसजै भवनहूं पधजासजै कोटवालसाजर हा भैरव भतवालाहे ॥ संकरमनमानी रानी

तीहूलोक जानी तोकुं साहकरो मेरी तेरी जोत का
उजाला है ॥ १ ॥ टेर ॥ आये हमराज कुलीरा
ठेड अमरसिंघ मुरधररासिरमोड ॥ दोहा ॥ प्रथम
मनाऊं गनपत सुभकर गौरी पतकोलाल ॥ तोये
रटुं जुवाला मुखसें माई कर मेरी प्रतपाल ॥ गो
विंदराम की किरपासे ती कथ उजीरो ख्याल ॥
आये० ॥ २ ॥ मारवाडकी मैंहूं राजा जानै सकल
जिहान ॥ भ्रात हमारा पिरथी सिंगजी चतुर
सुधर सुरग्यान ॥ गजसिंघजी का पुत्र छासः



म्हारा नांव अमरसिंघजान ।आये० ॥ ३ ॥
सजनातणा सहायकम्हे छांसत्रूका उरसाल॥
चोरजारकूं मारक गहां रैयतकी प्रतपाल ॥
म्हे राठोड महाबलकारी दिल्लीतपतकीढाल॥
आये० ॥४ ॥ सतरखान उमरावहमारयकनै
लागोजोड ॥ हे मुरधरगांमांनवीसजीरापाघ-
णीमरोड ॥ राजलियोकन्नोजकोसम्हेनोसैकी
लातोड ॥ आये० ॥५॥ म्हारपूठसगा छ भा
रीकछवा ओर चुहाण॥ चापाकूंपामेडतास
ओरमोडसगापरबाण ॥हाडारवींची देवडा
सनहिंदेदुसमतनैजाण ॥ आये०॥६॥ स्या
जानीबदस्याक म्हारोलाखटकारुजगार ॥
बदस्यातणहुकुममैम्हे सबहाजररहांतैयार
॥ भीडपडहजरतमैजदम्हे देवां मदत अपार ॥
आये०॥ ७॥ आमरवास बदस्याकहाजि-
र सबर रजवाडा आग ॥ सल्लाबदबदस्या
को सालोमेरेऊपरलाग ॥ दावलग्यां दुसमन

कुंमारुं एक हाथक सागं ॥ आये० ॥ ८ ॥
कबित्त ॥ अवल बिसमला अलावा अली
है मदतगार चार बार मेरे तोसहायकसिरताज
है ॥ येही निसानी इनसान मुसलमीन हू की व-
षत्पावै दरगामैं नेकी वोन बाजहै ॥ बंदगीके
करनेसे राजी है खुदापाक दुनियांकी बात बा-
हीयात सब ही साज है ॥ दाताहो म्हेरबान देता
है खवापान चढी थी कबान जबसें मुलकुमराज
है ॥ १ ॥ कबित्त ॥ हजरतमैं अरज करूं तुम



सेती बादस्याह अरजीकीमरजीहक्यासोतो
थेसुनावोजी ॥ चत्रसाल हाडकीपोलपैं विवा-
ह मंडयोबूंदीकूं बुलायाम्हानसीषथेदिवावो-
जी ॥ राजारखूसेहोयटीकीभेजदीयोम्हारपास-
साडसुदीनोमीकोनिकटकीयोसावोजी ॥ दीली
पतसेरसीषदेवोषुसहोयमोपैंबेरकहूं देरकाहे
कूं लगावोजी ॥ २ ॥ टेर ॥ हजरत अरजकं
रो छांयान अबथेसीषदिवावोम्हान ॥
दोहा ॥ अरजकरं साहाजान बादस्या
जलदीसीषदिवावो ॥ साडसुदीनोमीकोम्हां
रनिकटआगओसावो ॥ क्या है मरजी आप
की सजीसोहमकूं फरमावो ॥ सोहमकूंफर-
मावोलावोमतबारजी ॥ म्हानदीकोभेजबुलाया
हाडीनारजी ॥ हजर० ॥ १ ॥ टेर ॥ अमरसिं-
घसल्लाबतपांजावोद्यासीसीषमुसाहेबठावो ॥
दोहा ॥ सुबेदारसल्लाबतम्हारीबडीहुरमकोभा
ई ॥ बाईसीकाबीलहउसकपैदलसभीसिपाई

राजा और नवाबसबीकीकरतावोहीसुनाई ॥
करतावोहिसुनाईअकलकासीलह ॥ बद-
स्याईम उसका हुकमतानीलह ॥ अमर० ॥
३॥ तातोहुयोफिर सलाबतमेरउसकेतीष ॥
मैराजाना गोरकासक्यामुजकूं उसकीपीक ॥
मैराधटेकायदाउसपैमांगणजाऊंसीष ॥ मांग
णजाऊंसीखतुरक पाचालके ॥ बोअबेअबे
बोलनहिंसम्हालके ।हंज० ॥ ४ ॥ कोहोतोसी
षदिवाद्योतुमकूंकितेदिनकालेणा ॥ सचीस
चीजवानबोलोझूठांनाईकहणा ॥ ज्योदिन
लगैसीषसूंजादादंडपडेगा सहणा ॥ दंडभर
सीजोटमचूकहोज्यायसी ॥ फिरविनाजरी
वाबैनही आण पायसी ॥ अमर० ॥ ४ ॥
पायाहुकमसीषमोये अपसर एक मासकी
द्यावो ॥ म्हेरबानगीराखोथेम्हानषीजकरमत
बतलावो ॥ परणांहाडीनारनरम्हारचितपर घणुं
उमावो ॥ चितपरघणुंउमावोहाडी ब्याहस्युं

थेकरस्योजद्याद्पासथार्पायस्युं ॥ हजर
॥ ५ ॥ पावोपासबषतपरतोथे अमरसिंघ
अबजावो ॥ परणोनार हुकमहम करदियो
मत मनमैं पिसतावो ॥ वैडोलावूं दीका
हसो अमरसिंघझे व्यावो ॥ अमरसिंघथे
व्यावोचीतरप बातकी ॥ म्हे अमरसिंगन
सीषदई दिनसातकी ॥ अमर० ॥ ६ ॥ सीषद-
ई दिनसातकीसम्है कूछीतुरंगकसाया ॥ अ-
णीबणीकामुरादसंगलेकर जलदीचढध्याया
॥ रातदीनका कियापयाणा बूंदीगढन आया ॥
बूंदीगढन आयासिंगराठोडजी ॥ पणतुरका
कीलगलागीलाषकीरोडजी ॥ ह० ॥ ७ ॥
अमरसिंघको दासीसे क० ॥ येरीरंगीलीन
सीलोछबीलीनारकुनसतीरपतकतु दुवारपा
टरानीहै ॥ करतुमरीरंजोर जोबनकेसेतीनारग
तज्यूंगयदतेरीचालडीगमनानीहै ॥ कहसास
ख्यारीबोलीदोराणीमारीजेसैकेसैपियाख्यारी

तूंहोरहीदिवानीहै ॥ खोलकसुनावोसारीदह्म
सतमतृष्यावोप्यारीजरानिकटआवोरीतुमेरेमन-
नमानीहै॥ १ ॥ कवित्त ॥ दासीकोअमरसिंघसें
॥थारमननमानीसोमवारतासुनाऊं रावचलकेर
नवासस्युं मैंपासथारीआईजी ॥ चित्तम छो
चावथास्युंमिलवाकोराव म्हारकरकरके हेत
हांडीबाईजीषीनीईजी ॥ हाडांकासवास्या-
काम बादस्याकीकचेडींवीच उसह्मी गुणसे
तीथानव्यावगोबाईजी ॥दुलहीवाहाडीनार
दुलहाराठोडआपदासी मैतीहाराडेरानीरषणकुं
आईजी ॥ २ ॥टेर अमरसिंघ ॥ येतूंचात्रग
नारीप्यारीरंगभीनीकीनधर गोरडी ॥ दोहा ॥
चात्रगनार छबीली है तूंकिसराजाधरवाल
॥ चलतचालगजराजस्यूंसतेरीसुंदरअदाबीसा
ल ॥आईकुनकामकिन भेंजीमोयेसांच्याकहोह
वाल ॥ येजीप्यारीकेतरपीवसेजांमें नहीं तोर
माई ॥ येमद भीनीयेनार ॥ प्रीतमनहींरमाई ॥

नारतेर रूसीह दुखदाई ॥ हकीगत कह द्यो सारी ॥ प्यारी० ॥ १ ॥ टेरदासीकी ॥ थाराडेरा निरषणआईवो मैं अमरसिंघराठेडजी ॥ दोहा ॥ चत्रसाल बूंदीराहाडा छै म्हारासिर मोड ॥ तोरणपर भेला हुवासजीसबभायांरी जोड ॥ मोये भेजी थारा डेरानिरषणअमर सिंघराठेड ॥ येजीम्हानबाईजीषीनाई ॥ थारा डेरानिरषणआईजीराठोडांराव ॥ डेरानिरषणआया ॥ थे म्हारीबाईके मनभाया ॥ चत्रलोक्यूं बारलगाई ॥ आई० ॥ २ ॥ बारलगायो मतना अबथे जलदी जावो प्यारी ॥ फेरा द्या वोराणीनलेज्यावो म्हारीतोकटारी ॥ म्हें चाल्यांरणवासमैसबील माले सासड सारी ॥ येजीम्हानसीषबादस्यासातदिनाकी द्याई ॥ येमंदभीनीये नारसीखरवांकडी द्याई ॥ नारम्हारो रहवो बुणसीनाई ॥ करोथे फेराकी त्यारी ॥ प्यारी० ॥ ३ ॥ म्हेंतोत्यारीकी नीथे

रजपूती हठमत धारो ॥ थेचालेबीन चूंरीनी
चैलाजैसाथहमारो ॥ बींदबिना फेराकी
सासथेहिरद अकल बिचारो ॥ येजीथांनये
करातसैंजादानहीं बिलमावाजी ॥ म्हाराही
दवासूरज ॥ज्यादानहीं बिलमावां ॥ सीषथां
नदिनउगंतद्यावा ॥ फेरथेकरोचढाईजी ॥
आई० ॥ ४ ॥ म्हानसीषदिरायचढावोछथार
इकतार ॥ छत्रीकैसस्तरबडासक्यूंदासीहुई
गंवार ॥ षाटयोषावातेगकोसम्हे राठोडांसिर
दार ॥ येजीथेतोजलदीजावोमतनाबारलगा
वोजी.दासीरतनकुंवार ॥ मतनाबार लगावो
॥ थेराणीनै फेरा द्यावो ॥ म्हारीलेज्यायेकरा
री ॥प्यारी० ॥ ५ ॥ दई करारीअमरसिंघमें बा-
ईजीपाल्याया ॥ च्यार बेदकापढथाहुबाष
डतपरबीनबुलाया ॥ अमरसिंघ छत्रीकीक
टारी सागफेराद्याया ॥ येजीम्हेतोफेरा द्याक
रदोलत भोतदिवाईजी ॥ बाईजीन आज

दौलत भोत दिवाई ॥ देजदेम्यनिमेबेठाई ॥
पासप्रीतमकषिनाइ ॥ आइ० ॥ ६ ॥ खासा
सगामिल्याम्हांनहाडा भोतकरी प्रतपाल ॥
देजदायजोदियोघणेरो ओरलघूंदामाल ॥ हा
डीरानीव्याकरआयो अमरसिंगभोपाल ॥
येजाम्हेतोतषतनागोरतणा अब आयासेंबूं
दीजीचाल ॥ आया आपणदेस ॥ व्यायक
र अमरसिंघनरेस ॥ दात होई पेस हमारी
॥ प्यारी० ॥ ७ ॥ बादस्याकीसलाबतसें टेर ॥
आज म्हार कुणकुण मुजर आयाजी म्हा
नकहोसलाबतषान ॥ दोहा ॥ सुनोसलाब
तखानकहेदिल्लीपतथान ॥ आमषासकुंजोड
दिखावो जलदीम्हांन ॥ सबकीआजसीता
बसलामीलेवोप्यारा ॥ कुणकुण मुजरखान
कुणउमराव पधार्‌या ॥ खान ओरउमराव
कीसबतलासकराईया ॥ न्यारान्याराताडल्यो
सम्हारकुणकुण मुजरआईया ॥ आज० ॥

॥१॥ टेर सलाबतकी ॥ मुजरैअमरसिंघनहिं
आयाहाडीनारपरणगरबाया ॥ मुजरै जैपुर
तणामानसिंघप्रथमसिघाया ॥ बिकानेर नि-
सानमेडतका सब आया ॥ सतरखानउमराव
बीनतीकरवीचारा ॥ हाथजोडहजरतक आग
उवासासा ॥ साराउबबीनतीकर आपफर
माइयो ॥ हजरतैमें अरजीकरूसयेक अमर
सिंघनहिं आइयो ॥ मुजंरव ॥ २ ॥ नहिं आ-
याराठोडजायकुछजोर भरीया ॥ हलका-
रकूंतलबगारदे दरपर कारीया ॥ सीखजो-
डकर हाथसातदिनकीउनलीनी ॥ चोदा
दिनगयाबीत आनकी सुरतनकीनी ॥ सुर-
तनकीनीआनकीचोदादिनबीताइया ॥ हाडी
रानीव्याहकंसहिंदुमनमगरबाइया ॥ आज
॥ ३ ॥ गरबीलकागरबहुकंमथारसेंडालुं ॥
चसका उसकासेजतणामें सबीनिकालुं ॥ येक
येकदिनका दंड रुपैयालषलषलेवुं ॥ दोल

खलेऊंवादखलासीजदमैं देऊं ॥ प्यादन
कागददीयोंमैहजरतपासलिखायकै ॥ चढ
जावो इसबषतलियावोअमरसिंघकुंजायकै
॥मुज० ॥ ४॥ हलकारेकीअमरसिंघसूं ॥टेर
॥ राटोडहुईछचुगलीथारीबदस्याकैसामनै
॥दोहा ॥ चुगलपोरथारी चुगलीषाकरबद
स्याकुंभरमाया ॥ हजरतआपलिष्या
परवानार्षीजकरमोयंषिनाया ॥ मतनाक-
रोदेरतुमचालोमलेणकुंआया ॥ हुसिया
री सेतीचलोजीद्योनीगफलतछोड ॥ कप-
टरच्योगढआगरसहोयसावधानराटोड ॥
जोडजावोफोजांसारी ॥चुगली० ॥ १ ॥
टेर ॥ म्हारीअन्याईबदस्या स्यांमनचुगली
किनूषाईरे ॥दोहा ॥ चुगलीषाईकुणह
मारीबदस्याकैदरम्यांन ॥ असोदुसमण
कुन हमारो हिंदूमूसलमान ॥ सांचीबात
खोलकहोम्हानचपडासीसुरग्यांन ॥ सुर-



ग्यानी मोथ खोलकर सारा कहो विचार॥
क्याक्याबातचलीथीहारीस्याज्यांके दर-
स्यान ॥ सुनाद्यो मुजकूं भाई ॥ चुगली०
॥ ३ ॥ भाई होय भावरा घसो ओर झूटतो
फांन. ॥ भरी केचेरीपीज्योआपपरबाबूदस्या
स्याजांन ॥ थेनहीं मुजरेआयाचुगलीषाईस
लावतषान ॥ रीसभरेथीजकर कहीऊत दि-
ल्लीपतनाथ ॥ सलाबत उस अमेरसिंघ

पर दुंडकरोलषसात ॥ निजरथारी लेवो
न्यारी ॥ चुगली० ॥ ६ ॥ न्यारी नजरस
लाबतनदेऊं मेरायहीतोइरादा॥ वोहबकसी
फोजकासेरे उसकाचोयेज्यादा ॥ कटारी
स्यूं बांटदेऊं दोन्यानें आदाआदा ॥ आदा
आदा वांटद्यु पुराकूढादोय ॥ ८ कांठ घर
करतोलल्यो सनही हलका भारी होय ॥
घटै तील भरना राई ॥ चुगली० ॥ ४ ॥ राई
सें परवत हुई राजाये क समै स्तूनूवात ॥ कहा
कृष्णको घटगयो सजी भृगुजी मारीलात ॥
मोटा सोहीजानियो तोजी छोटास्यूं गमषात
॥ सलावतियोकूं जडो सखोके जाणउत्त ॥
असीवात विचारी वोसथेराठोडा रजपूत
॥ रहज्यूं दूद दुहारी ॥ थारी० ॥ ५ ॥ दूद
दुहारीके मोरख घूतले पंडन घूंनाई ॥ साण
चढीमेरी सांगउसे अटकाल्यू इसकेमाई ॥
वाडदिवा हथियार त्यारकियासलाबतकत्तां

ई ॥ कहनदंडदुवारनके कहनदेऊं माह ॥
बजाबजादेऊं सुलाबतनफुरश्यादउं नाह ॥
रुपीया नयानयाई ॥ चुगली० ॥ ६ ॥ नयापु
राणालेकर जलदीतषत आगर आयो ॥ पी-
जेहुये बादस्यानथेमतरहकर और खिजायो
॥ म्हेजाकांछांयेराणीपाबैठबिलं ममत
जायो ॥ सीरवलेर राठोड पाससैंजलदीआ
योचाल ॥ बादस्यानकही आवछोवो अ-
मरसिंग भोपाल ॥ नोकरीपकी हमारी ॥
चुगली० ॥ ७ ॥ सेर ॥ राजा अमरसिंघको
॥ बदस्यापासीषम्हेजाकलई दिन सातकी ॥
बीत्यादिवंस दसच्यार मेरी भूल होगई बा
तकी ॥ देषस्युं गुंजास अबजाके तुरककी
जातकी ॥ सीषजलदीदे मुजे नहीं ढीलमें र
स्यातकी ॥ १ ॥ सैर ॥ बैठेथेसुषकीऐसमें
किसपरमेरे अवरोसजी ॥ जंगलमतोलड
तेथे दोयेक सिंघ येकपरगोसजी ॥ परगो-



सहोसिंघस्युंलड भूल्या फिरवे होसजी ॥
किसमत हकम उसकी पीया नहीं और किसकू
होसती ॥ २ ॥टेर ॥ थांसिं सुजरो पावां जावां
म्हेतषत आगर कामनी ॥ म्हे जावां गढ आग
रस प्यारी करके सरियांरंग ॥ दोदोबात करां
हित चितकी सलाबतक संग ॥ क्याताकत उ
स तुरक कीतीमेरे करैस्यामनजंग ॥ जंगकरै
मेरस्यामनजी क्या उसकी औषात ॥ जाय
दिषाऊं खानने सेमें रजपूतीकाहाय ॥ आगर

जाणद्योजी ॥ ह्रायेप्यारी सलाबतसैं बात दो
कर आणद्योजी ॥ मेरलगरह्योचावफिरस-
लाबत करतोदाव ॥ चुगलनै चेतकरांवा ॥
जावा० ॥ १ ॥ टेर ॥ थेरमकर संगीपीवजी म्हा
रीसेजसुरंगीनाकरी ॥ दोहा ॥ सेज सुरंगी
करीन पूछी जिगर मरमकी बात ॥ थेचढ
चाल्या आगरस म्हारी छातीधडकारवात ॥
रहगई पीवजगावणी सम्हारीपेसारारीरा
त ॥ म्हलुं मै ढोल्योकस्योथेकमर कसीत
लवार ॥ सुणराठोडांराजवीसथानकहती
हाडीनार ॥ हठनछाडद्योजी ॥ थेजीथेतो द्यो
घुडलानबांदकमेरवांगाडद्योजी ॥ आज
आज रहज्यावोकालथेताजातुरंगकसावो
॥ करोमतघणनतंगी ॥ पीव० ॥ २ ॥ तंगी
करांबादस्यांनतूं हाथ हमारादेष ॥ सलाब-
तकेरोषस्यांसम्है छातीऊपरमेरव ॥ दुस-
मननै मारणका म्हार बिदनालिष दियालै-

ष ॥ मतपिसतावोआपकीरषकासीवसुतं
क ॥ लखरानी दुकरानियांसतूंज्याबीचहाडे
येक ॥ नहींपिसतावणाजी ॥ रैस्यांआजकी
रात ॥ म्हेतोथारपावणाजी ॥ रहांरातकीरा
तकराथांसैहेतप्रीतकीबात ॥ सभैघुड
लांकसवाया ॥ जावा० ॥ ३ ॥ जावांजाव
मतकरोम्हारारा थेडांसिरदार ॥ थारबि
नम्हारसूरमातोजीसबफीकोसिनगार ॥
ज्यूंउजीरबिनसतरंजसूनीज्यूंचोपडबि
नस्थार ॥ सागरसूनोनीरबीनजीज्यूंम्हा
रांबिनजंग ॥ एकनथबिननारकजीसब
सिणगारबीरंग ॥ कपटीआगरोजी ॥ बांध्यो
बदस्यावैरहमारैभागरोजी ॥ तूरकतषत
परकूरन्यावछेजी ॥ थाकोजलदसुभाव
फांजसंगउनकाहैजी ॥ पीव० ॥ ४ ॥ जं-
गीफोजनहींहमसेमतबातकरोबेढंगी ॥
बीकानेरमेडतकाउमरावतेगम्हारनंगी ॥ बद

स्यातणीकचेडीमैम्हांरासबहोज्यागासंगी
॥चापाकूपामेडत्यासजीस्याम्हाषाचीगोड
॥ मारवाडकाबंकडासम्हैराजकुलीराठोड ॥
तुरकनैताणद्याजी ॥लेवांकचेडीमधर परे
नहींजाणद्यांजी ॥ सैररवान पठान ॥
फोजबाराहजारषान ॥ भाईनम्हारसाथ
मिलावा ॥जावां० ॥५॥करोरंगथेसंगहमार
परभातांउठजायो॥ रचकररामममनैंदुनियां
कोकैव्योहारदिषायो ॥दूदनभींज्याकांच
वासनहींबालकगोदुखिलायो ॥नाईबाम
णदोभरोञ्चोरमरज्योबाबलमाय ॥चाक
रचूरवादारकैसमनपलैदईलगाय॥चाकर
मांनचाकरीजी ॥सेरचूनककाजजानतज
जापरीजी ॥ मुजकूंकरनीरास ॥ज्याय
जोचुगलषोरथारोनास ॥ वातकरंदई बिरं
गी ॥ पीव० ॥६॥करांसुरंगीसेजआपकी
आजरातकीरात॥ रहणोकिणबिदहोयबाद

स्यादंडमांग्यालषसौत ॥ लाषवातनहीं दल
वडीबानीचतुरककिजात ॥ मतनावरजोगोर
डीजीम्हानहाडीनार ॥ कह्योनानलेकांमनी
सम्हानैलाद्यो सेलकटार ॥ ओरसतद्योस
लाजी ॥ आजरमांथारीसेज ॥ करांम्हेहे
त प्रीतआमेज ॥ हरषआनंद फलपावों ॥
जावां० ॥ ७ ॥ फलपावांम्हास्दोले आवो ॥
थे मुरधररानाथ ॥ आसोपैलेतोडरोसमें ऊं
बीलीनाहाथ ॥ आपपीवोओरहमकूंव्यावो
रलमिलपीवांसाथ ॥ जोडंडमांगे वादस्या
याकीतीकजबरीबात ॥ येकलडतोडूहार
किसयारा भरदुस्युंलषसात ॥ बातकेहूंआ
पनैजी ॥ बोजीमतोरकंममंगाद्यूंगीओर ॥
लिषूंमेरवापनैजी ॥ थे मुरधररानाथ ॥ आग
रलेकर चालोसाथ ॥ चुनडीमेरी पंचरंगी
॥ पीव० ॥ ८ ॥ थारीचूनडनार सलामतरारवै
सिरजनहार ॥ भाईजसवंत रामसिंघ.

थारछै दोनुं हुसियार ॥ म्हांन पकड बादस्या
तोबैले आवललकार ॥ अमलारी मनुहार
द्योजीरवाद्योथारोदाव ॥ आसोलागआक-
रीसमनै मतनाप्यालोप्याव । दावनहीं झा
लसीजी ॥ प्यारीमेरसलाबुतकाबोल ॥ नसै
मसालसीजी ॥ कालपुहूंचाथेदतुरककेक
रांतषतकीभेट ॥ ठेठरकमपुगवावा ॥ जावा
॥ १ ॥ जुबाबराणीकोदासीसें ॥ सैर ॥
रीसभरीयोरावदासी आगरकूं जाय । कर
को अकलकोपेचचेरी पीवकूं बिलमायरी ॥



स्यामसैंसंगरामंड्रसदुनियांमनहीषटावरी ॥
देपींजरैमषानसिंधकामानसबघटजायरी ॥
१ ॥टेर ॥ मान घटसीन।मतीपीसतावो हाडी
नारजी ॥ राजानदेरव्यांषानसब हो ज्याक
चेरी पारजी ।।वैकांकरीसेसेरमारैस्यामनै
ललकारजी ॥ दीलीतषतकीढालराजाअमर
सिंघसिरदारजी ॥ २ ।टेर ।।राजाजीनदासी
थे बिलमावोयेम्हलांमैल्यावो ॥ दोहा ॥
रीसभरयोजो घाणनाथदासी दोडआगरजाय
॥ चुगलीकरकर सलाबतदीयोबदस्यानबह
काय ॥ कांई भरोसो सांपकोसदासीबिन
छेडेडसजाय ।।रीस भरयोडोबादस्यायेकर
ह्यो घात अनेक ।।उसकीफोजअपारहये
मेरोप्रीतमयेक ॥ भेषमुगलारो भारीयेलाष
बाईस संवारी ॥ हाये थेतोयेपीवजीनहाय
ओडेसमझावो ।।मारु० ॥ १ ।टेर।। मारु
जीकोल्यावो छे अतभारी येवाई जी म्हा-

री ॥ दोहा ॥ल्यावोमुसकंल रावकोसम्हारन
ई फंदमें आव ।सींघसूरमो माननाई बोली
ऊपरजाव ॥ क्याताकत वोस्यालियोससीं
घासैनीजरमिलाव ॥ वोदीली तपस्यालिया
यसमजे नहीं अचेत ॥ तेरोप्रीतमसिंघहयेला
डैयेकलोषेत ॥ कचेडीमेंललकार ॥ येक दुस
मंन चुगचुगमीर ॥ हायेउंकी देरव बाई सी
भागसारी ॥म्हारबो० ॥ २ ॥ उसकी सा
री फोजकोसमेर पीवक ऊपर घात ।लाषूंद
लमें येकबलीकादासीपडै नहाथ ॥ कोई मु-
गलियों मारलेवराजानअलीस्यात ॥ बंध्या
जोकांगणडोरडायेदेणीरगई जात ॥ मुषमी
ठाकपटी घणा घालहीवड घात ॥ दगेस्यूं
पीवनमार ॥ येदयानहीं दिलमधार ।हांये
मेरयेपीवपरदेराष्योमुगलांधावो ॥ मारू०
॥ धोरवोदेर दुसमनानवोमार थारो स्याम
॥ असल ओरकमसलमें फरकहकदे आक

म्हानद्यावो॥ सुगनभलाभगवानतणासु-
णप्यारीदासी॥ चारोमांगडारछोकरीबर
कीप्यासी॥ आपआपंकीसबकहसुणल्यो
चात्रगनारथे॥पंडितमांगदक्षणासएन
द्याद्योनोसरहारथे॥ नारथा०॥२॥ हार
भारसिणगारनारकाथेबकसावो॥ बिल
सोसबपरवारआगरमतनाजायो॥ घुड
लापाछाघेरफेरकीज्योचितचायो॥बूंदी
तणींकटारदेणननारबुलायो॥ नांम्हलोरा
नीषडीलंगरद्योतुमसैंध्यानहैं॥ नहींचा
लोतोगिरमरेसवादेखजरासीज्यांनहैं
॥रावथा०॥३॥ ज्यानजीगरकूंराखना
रतूंमतनात्यागै॥दासीघुडलांमोडलि-
याईपाछासागै॥ नोम्हलकेतलैल्याय
ताजीठहराया॥ षडथाषडथाम्हेमीलण
नारहाडीस्युंआया॥प्यारावारीपोलक
रदसनमोयेंकरायदे॥वापीहस्कीपेसक

रीपीहरतणीदिवायदे ॥ नारथा० ॥ ४ ॥
सिंधुराणीराजाको ॥ टेर ॥ येजीवोराठो
डाराजालेताज्याज्योजीकटारी म्हारी ॥ वा
बूंदीवारी ॥ दोहा ॥ सुगनमना घुडलां
चढोलेकरसंगसिरदार ॥ बाबलदीनीदाय
जीसोल्लेताजावोनीकटार ॥ येजी० ॥ १ ॥
टेर ॥ येजीये म्हारीहाडीरानीयेमारगम
बदस्याउवो ॥ म्हारीयेबाटनिहार ॥ दोहा
॥ मतबिलमावोकाममेंनीम्हानहाडीनार ॥ देवो
ह्नितकरह्राथस्युंथारीपीहरतणीतोकटार



॥ येजी० ॥ २ ॥ नारीसुनीपीवविनजीपिव
सुनाबिननार ॥ सांवत सुनोफोजबी न
ज्यूं पुत्रबीनपरवार ॥ येजीवो० ॥ ३ ॥
सांवत चढतोजूधमें रानींकेकोदेषसाथ ॥
उसकासाथीतीनजणांहीयोकटारीहाथ ॥
येजी० ॥ ४ ॥ राठोड़ाबीचराजवीथेसूराह
दजोर ॥ मारवाडकेबीचमेंसथारी दीप
रहीनागोर ॥ येजी० ॥ राजकरां नागोर-
कोम्हेतषत आगरोतोड ॥ नोकाटी मार-
वाडकाम्हे राजकुलीराठोड ॥ येजीये० ॥
६ ॥ करबिचकांकनदोरडाथारजीबरछी
छत्रअपार ॥ मुगलांहंद देसमें थारी कुण
झेलत तलवार ॥ येजीवो० ॥ ७ ॥ सज-
करसस्तर होरवड्यारानीधसारहीछै धूज ॥
एसामुगलवंदारस्युंजापीचनरनारतरबूज
॥ येजीवो० ॥ ८ ॥ कारीगरकाफीघडीतेजव
णाईधार ॥ नागनज्यूंनषरोकर भारीबी छ

वनडंककटार ॥ थेजीवो० ॥ ९ ॥ कारीगरका
फीघडीथारीकटारीहदवेस ॥ रानीदीनी हेत
स्युंम्हानपीहरीयारीपेंस ॥ थेजीथे० ॥
१० ॥ इतणीथास्युंबीनतीरहज्योबदनबचा
ये ॥ येकप्यालोपीकरचढोफिरकद मिल-
स्योआये ॥ थेजीवो० ॥ ११ ॥ रामनीरानी
कीभैरवी ॥ हाथरोहमारोयेक दावदोचत
र ढोला ॥ थेजीथे तोपीवोनी हमाराउमः
रावदो ॥ आसोपलैतोडरोजीयो तोका
ड्यो छै कलालीकरकर चाव ॥ चतरढोला०
॥ १ ॥ हाडीप्यावहेतस्युंजी राजथे तोपी-
वोनीजोम्हाणारारावदो ॥ चतरढोला० ॥
२ ॥ अबकाबिछड्याराजवीजी फेरकद
मिलस्योजीआयवो ॥ चतरढोला० ॥ ३ ॥
समसेरांरबाडदोजीयेजीथेतो भालांभालां
अणील्योकढायवो ॥ चतर० ॥ ४ ॥ जीमे-
रैबालमजानहींजीमै तोसबधन देऊं तो

लुटायवो ॥ चत० ॥ ५ ॥ चडोचढावोसींघ
करोजीथानल्यावदेवीकरनीजीतायवो ॥
चतर० ॥ ६ ॥ राजाकीलावणी ॥ रंगतषडी
भैरवीमें ॥ टेर ॥ मेरादिलपरषार यारमें
सिंगज्यूंमैंललकारूंगा ॥ बदस्याकीकचे



डीवीचउस चुगलपोरकूं मारूंगा ॥ दोहा
॥ ताजीकरकरत्यार यार मैंचढानकीचितपर
ठानी ॥ बागडोरघोडकीआंनके पकडलई
हाडीरानी ॥ हाडीबोलीयेम्हाराजा चढचा
ल्या मुगलांरदेस ॥ भुजकूं छोडी किसकै

साहेरे ॥ छत्रपतीमेरापीवनरेस ॥ मैबोल्या
तेरेपासरामसिंगभाईजसवंतसिंगबंका ॥
धाक आगरपडेउनुकाबदस्याईमानीसंका
॥ ऐसैरानीकूंसमझाई ॥ पाछीम्हलमायषि
नाई ॥ कटारीपीहरकीमोयद्याई ॥ घेरके
जांमंमांहिछिपाई ॥ बषतपडयापरमैगमक
टारीकाडुकाडु फटकारूंगा ॥ व० ॥ १ ॥ च-
ढ्यासीरेनागोरतषतसैमैताजीन छेडदीया
॥ और नदूजोसंगसेरेयेकसांगैकीसनाषवा-
सलीया ॥ मानभवानीआगईदाहनीसुगनभ-
लेरापायांजी ॥ हंमचंदरोजकेअरसेसैतीततष
त आंगर.आयाजी ॥ जाकेदेपूरवासकीलेमें
आगेसलाबतपडाहुया ॥ पेसकबजसंमसेर
लियाबंदुकसंजीनाजडाहुआ ॥ मुजकूंस-
लाबतबतलाया ॥ करकरहेतपासबिठला
या ॥ बांयदासातदिनाकाद्याया ॥ रंघडउचव
दादिनक्यूंलाया ॥ लातलारवउनदंडकामांग्या

महकही देके उतारूंगा ॥ ब० ॥ २ ॥ नावलि
या मुजकूं दंडका तुरक जात मती हारीजी ॥
मैंकोंते खानीकाड कटारी सलाबतकै मारीजी
॥ लगी कटारी बीचकले जहाड पासली तोड
गई ॥ सलावतीयेकरमहीन दुसमनकी पी
जरफोड गई ॥ घायल होकेआमषास मष-
ड्या पुकारष्यासमरूं ॥ रे कोंई प्याव पानी
फिर मैंजीता चुगलींनांहकरूं ॥ योसलाबत
फरमाई ॥ अबमकरीजीसी हीपाई ॥ मारा
मैंबडी हुरमका भाई ॥ देख बदस्याकीज्या
न घबराई ॥ हजरततणै खजानमैं अबभ
रभरथेलीडारूंगा ॥ ब० ॥ ३ ॥ सलाबत
कूं चुकादिया अबबदस्याकूं दंडदेता हूं ॥
सातलाषकीरकम चुकावण हाथ कटारीलेता
हूं ॥ देखतेज मेरा बदस्याकी बांईसी घबरा-
येगई ॥ राजा और नबाबत्यागबदस्यानह
मकूं मदत दई ॥ सलावतकूं मारादेषकर बद-

स्याममनैफिकरकिया ॥ छांडतपतसैंगया
महलमें हुंरमषानाजाचलिया ॥ ह्रांस्योबक
सरामगुरपाया ॥ छंदअटीगानाबतलाया
॥ ख्यालगुरुगोविंदरामसिखलाया ॥ दो·
गुर न्यारान्यारा पाया ॥ तेलीकहउजीरामे·
रैमैदुसमनकीछातीजारूंगा ॥ बदस्याकी
कचेडीबीचउसंचुगलषोरनमारूंगा ॥ बदव
॥ ४॥ हुंरमकोबदस्यासैं सैर ॥ कितगईकरा·
मातहजरत आपकीसोबूजती ॥ इकीस
आनाफोज थीनहीं पाव आनास्रूजती ॥ इस
सूरमाकीज्यांनपरगमैं अकेलीजूंझती ॥
राठोंडकातपदेषकसारीकचेडी धूजती ॥ १ ॥
सेरबदस्याको ॥ इसबषतकीनीपेरमैरेपा·
कवीपरवर दिगार ॥ स्यामतगुनास्रूज ब
टलामह्रोगयापरगैसुवार ॥ इससलाबत
क बोलंका उसअमरसिंघकादिलपैर वार
॥ क्या भरोसानीचेरघडकामुजेलेताबोदार

॥२॥टेर॥रेगतमाड॥कालंगडा॥बाईसी
थारीजीपीवजीवाआजकठेमारीगई ॥
दोहा ॥ कहांतेरासतरखानगयावोरकहांब-
हत्तर उमराव ॥वीरसलावतमस्योदेष म्हा-
रबैगयोहीवडघाव॥तेरीपरगगई डूबन
हींचल्योयेकदोदाव ॥ दावचल्यो नायेक
नांवथारोलाजतो ॥ चोरवड्यो येकराठोड
सिंगज्यूंगाजतो ॥बाई० ॥१॥टेरबदस्या
की ॥ तजरोसदिवानींबेगमबेहोसजीकर
मतनाकर ॥दोहा ॥ तजोरीस मतक-
रेजीकरप्यारी सुनेअमरसिंगभूप॥तेरो
भाईसलावतछोचगलांहूंदोरूप॥मरग
याजिसकूं मरजानद्योथे होबैठोचूप ॥
थेहोबैठोचूपमान मेराकहा॥तुमयेहीग
नीमतसमझोमैजीतारहा ॥ तज० ॥२॥
जीकरआपकराक्या हजरत खोदीलाज
वडाई ॥ खाखपडीइसजीवणममेरोम-



ख्योसलाबत भाई ॥ सबउमराव खानपरगे
कानीकस्याहोयेलुगाई ॥ नीकस्या होय
लुगाईं गयासब दोडजी ॥ योयेकल डो
खडयो सिंघ राठोडजी ॥ वा० ॥ ३ ॥ दोड
छुडाद्यूं सारीमैं नागोर जोधपुरघेरुं ॥ नाक
फोडकरनाथ घालऊन देसदेसम फेरुं ॥
उस अनवी राठोड सींघनपकड पींजरै गेरूं
॥ पकडसिंघनजमीबीचमैं गाडस्युं ॥ मैंक
रुं भोतसोदालो अबै नही छोडस्युं ॥ तज० ॥

॥ ४ ॥ छांडीबैठकंतषतकीसथेझूठीकररह्या
वात ॥ कपडापहरमहलमबैठो होकरबेगम
जात ॥ मैंलडस्युंराठोडस्युं समेररवांडोदे-
द्यो हाथ ॥ खांडो देद्यो हाथकरूं मनचाव-
ती ॥ योपडयोसलाबतदेरवरीसमोयेआवती
॥ बाई० ॥ ५ ॥ तजोरीसइसबषतपकड उ-
सरंघडकूं मंगवाऊं ॥ आमरवासकूंजोड
कसमबीडा फजर फिराऊं ॥ अमरसिंघकूं
गेरपिंजरजदअनपाणीषाऊं ॥ जदअन
पाणीरवाऊंयहीपरनामहै ॥ बिनपकडे
उसकूं षाणा मुजे हरामहै ॥ तज० ॥ ६ ॥
रवाणा होगयाजहरपडाईससलाबतकूंदे
रव ॥ कैसा गजब करारंघडनदईतषतपर
मेरव ॥ थेजीतो किसपुनसे सयार साग भू-
षो मेष ॥ साग भूषो मेस मुहाणीममोड
स्युं ॥ मेरेषांडादे द्यो हाथलडूं राठोडस्युं ॥
बाई० ॥ ७ ॥ हुरमको अमरसिंघसे सेर ॥



राठोडतैपरगमैक्यूं आंके मचायो सोरूर
ावेपीर ही मत हार ऐसाक्यातुमाराजोरूर
किसकीनकरताकाणक्यूं कूक षडाजु चो
रूर ॥ चूपकाकीलस्यूं भागजाजीयाचा
हेतोंवोरूर ॥ सेर ॥ अमर सिंघको ॥
भागामेरातपदेषवोस्याजानबादसाहारक
॥ भेडूंकऊपरक्याकरूं इसकटारीकूंवार
क ॥ चितषुसीमेराहुयांइस सलावतकूं
मारक ॥ बीबीतूं हटज्यादूरकूंआकरफि
रींमेरवारक ॥ २ ॥ टेर ॥ तबदस्याई मैं

रंगडक्याधूममचाईआनक ॥ बदस्याईम
आनकसक्यूंनीकमीघूममचाई ॥ थोथी
कर रह्योगाजररवडयोक्यूं झूठीकरै बडा-
ई ॥ इबकितजासीजीवतो समेरो मार-
सलाबत भाई ॥ कूलदीपकसलाबतोरे सा-
येर सगर सुधीर ॥ येककवरछोवापको
सयोमेरयेकहीबीर ॥ मातकंयोएक छोरे
॥ नारमरगी अकीरोयेवालोभेष छोरे ॥
करकरषार हत्यारागेरोजीवसूं मार ॥ त
नकुं छदयानआई ॥ रंगड० ॥ १ ॥ टेरअम
रसिंघकी ॥ तूंसमजसियानीबेगम बिन-
मोत दिवानीक्यूंमर ॥ समजसियानीबेग
मतूं मेरकरस्यामनबात ॥ औरतजातस
मजूकमेंनहींकरूंतेरपरघात ॥ सलाबत
कीमोतलिषीछीबिघातामेरहाथ ॥ बंका
आगबंकडामैंरंकाआगरंक ॥ सीदाआग
पादूराम्हेतीरबंकाचोबंका ॥ म्हेभोपाल छां-

जी ॥ प्यारीबिप्रगऊकादासकदुरजनसाल
छांजी ॥ सलाबततेर भाई हमारीझूठीचु-
गलीषाई ॥बादस्यासच्चकरमानी॥ बेग० ॥
२॥ सच्चापरच्चाबदस्यापातस्यगकेपगदिष
लाऊं ॥ वोनागोरजोधपुरस्यारोंमें साराजेल
मगाऊं ॥ कुडुमसहितताेयेपकडकसमको
लूमेंपिलवाऊं ॥ पेरघपाईकोमिल्योतनबद
स्याई सुनाज ॥ मसतहुयोजदस्या मनस
मन मारणआयोआज ॥ बोलरह्यो भूंडी
वानी ॥ दीनदुनीकसामतणीथेकाणनमानी
॥ षाकर चून हरामबदलज्यायेकाफरकाकां
म ॥ पडवोनरकामाई ॥रंगड० ॥३॥ नर
कामाई सलाबतीयोभूलेकिवाडांजातो ॥
रजवाडांकीझूठीचुगलीबदस्याआगेषातो
॥ सिंघातणामगाकर डोलाबेगीदडसांगेल्या
तो ॥ धरमछीनसबनकस्यासउनसलाबत
बेहोस ॥ झूठाभरतोकानबेठकेक्याबदस्या

ने दोस ॥ चूकनहीं ओरकीये ॥ हाये प्यारी बदस्याले तोमोनबात उसचोरकिये ॥ अबमें रचकर ठाठदई छैलडीनीचकीकाट ॥ गयोवोनरकांकानीं ॥ बेगम० ॥ ४ ॥ नरक सुरगकाभावबांदमत मुखसूं बोल सम्हाला ॥ आजकरमेरोस्यामनोसतूं नोकर रह छोकाल ॥ उसबदस्यानकह करतेरी भूस भरवाऊं खाल ॥ बाईसीकामोरचातेरसुन मुखदेसूं मोड ॥ बीना मोतमरजायसीस तूं अमर सिंघ राठोड़ ॥ नारतेरी रोमररे ॥ स्यामसंगसंगराम दिवानाक्यूंकररै ॥ मुंगलहमारपासतेरोबचुटीचुटीमास ॥ वांटकरषाज्याभाई भरंगंड० ॥ ५ ॥ भारीमुगलआपकामेरआगेमेडस मान ॥ नोकोटीमारवाडलारम्हार फरकत लाषनिसान ॥ म्हारादेष्यासूरमासयेभाग थाराषान ॥ तूंमतजाणयेकलोसमेरे फोज मोत छलार ॥ असोजलम्योकुणलडमो-

सैसनमुखभुजापसार॥ मारू तेरे थापकी
थे ॥ ह्वायेप्यारीनीमकषायेकीये ॥ मतो
कारण भोतकरीआपकीये॥मुषसेंकहकर
रामबदलज्यायेकमसलकाकाम ॥जाऊं
केतेरीकानी ॥बेगम० ॥६॥ मेरेकांनींकेदु
खतनपलमपकड मंगाऊं ॥बदस्यानेसम
झायेकै समबीडाफजर फिराऊं ॥ बाईसीं
काफेरमोरचातुजकूंसीज्याकराऊं ॥ धीराधी
रठाकराधीरासबकुछ होय ॥मालीसींचरात
दिनपणरुतआयाफल होय॥ बिनारुत फु-
लनलाग ॥क्यूंउवोबककवादकरतू मेरे साग
॥सुबैकच्चेडीजोड मंगाऊं तुजे पकड राठोड॥
जेलदुदेकरधाई ॥रंगड० ॥७॥बादस्या
कीटेर ॥ पकडकर अमरसिंघकूं लान्नेर
सो मुलक मालवा पाव ॥दोहा ॥छप्पै॥ब-
दस्याने उमरावषानबुलवालीया नीडा ॥
आमषासकूंजोडमेलदीयातेगाबीडा ॥जोबीड



कूंषायपकडअमरकूंआव ॥ आदीघुंगुज
रातमालवासारायाव ॥ सारापावमालवा
जोअमर सिंघकूंल्यावता ॥ सबकानिकल्या
अंसकोई नहीं तेगावीडाउठावता ॥ पक०
॥ १ ॥ टेर ॥ बीडाझेल्याअर्जुनगोडहजरत
मैंल्याऊंराठोड ॥ दोहा ॥ हुकुमकरोतेगा
बीडामैंअबठाऊं ॥ उसअनवीराठोडसी
घनेपकडलेआऊं ॥ कहोतोका ढूसीसक

होतोसीसनछाडूं ॥कहोतोकरकरटूकउ
सै भूमीमेंगाडूं ॥ वोगीदडक्यापावतामो
थेसाबतअरजूनगोडन ॥ पांचलाखका मु-
लकदिवावोमैंल्याऊंराठोडन ॥बीडा० ॥२
॥पांचलाषकऊपरदेऊं नौबतबाजा ॥
देकरदेसअपार मुलककाकरदेऊंराजा ॥
हस्ती घोडा फौजभांततेरकूं द्याऊं ॥ तामा
पत्रमंगायहाथस्युंअबीलिषाऊं ॥ एकबातमेरक
मजचरतुमदोनुंएकजातका ॥ तूंसालाओब-
नोईक्यापतियारा थारीबातका ॥ पकड० ॥
३ ॥बातजातम्हारीयेकदोयमत हजरतजो
व ॥ करस्तानीमकहलाल असलजो छत्री
होव ॥ नीमकबजाररजपूतपितापुतरकूं मार
॥स्यामषोरजोहोयकामषांवदका सार ॥
काम सवारूं स्याममें मेरादिलयूंजागता ॥
किसकासालाकूनबनोई झगडेमैंक्यालाग
ता ॥ बीडा० ॥ ४ ॥ तेरी सुनकरबातहमारा

दिलउमग्याया ॥ ल्योपांचलाष मुलक पत्र तामलिषवाया ॥ अबअमरसिंघकूंल्यावो मनस्यापूरीथारी ॥ सनमुषजायरपेकडद गेसेंमतनामारी ॥ चेतकराकरषकडज्योउ सअनवीराठेडन ॥ षुसीहुयासबषानदेषक रचढतो अरजनगोडन ॥ पकड० ॥ ५ ॥ अरजनगोडको सेर ॥ अमरसिंघजीथेसु णोयोकहे अरजन गोडजी ॥ हममदत देवां चोगणीरहो खुशीथेराठोडजी ॥ थारी ह मारी फोजसारीकरांभेलीजोडजी ॥ दिंधाकफे रूं दुष्टकुंल्यांआगरनतोडजी ॥ सेर ॥ तोडो थेजाकर आगरोमतआमेरहजूररे ॥ म्हे म रस्यो डारी सकाहटज्यामेरेसदूर रे ॥ क्यामे रासेप्यारकरता ओरतूंबेसूंदूररे ॥ लगज्यामोह वतहायकी होज्यागाचकनाचूररे ॥ ७ ॥ टेर ॥ अरजसुन अमरसिंघराठोडजीथांन कह ता अरजुन गोड ॥ सुनो अमरसिंघछत्रपती

जोधाणारासिरदार॥हीमतमतनाहारोथी
थानदेस्यांमदतअपार ।मिलकरतोडाआ-
गरोसतुरकानकरांषुवार॥अरज०॥१।टेर
॥गोडमतआवमेरहजूरहंमसेंपरेंषडारहो
दूर॥दोहा॥परेंषडारहअरजनमपरतीतकरूं
नहींथारी॥तूंबदस्याकोसामलीतक्यानीसप
तथारीम्हारी॥चेलतोसरपछेडकरतूंमतलेवमो
तउधारी।गोड०॥२॥लेईउधारीमोतसला
बतथारसागलडका।घणांरंगथाणसुरमातो
थारीतोगतडतजूकडक॥कोईयनजीत्योमु-
लकमसजीराठोडांसूंअडक॥अरज०॥३॥अ
डयोअमरसूंसलाबतीयोकपटीकुटिलषुंवार।
काणकरींनहींदंडमाग्याउनम्हारकनगुंवार।।ब
दस्यातणीकचेडीमऊनगेरोजीवसेंमार॥गोड०
॥४॥मास्योजीसेंसलाबतनेरंगसुरमाथान
।गोडाटीसफोजमगाघुंओरहुकमकरोम्हान
॥अडंकरसारवआपणूंराजादीनदुनीसबजा

न ॥ अरज० ॥५॥ साषसाषतूंक्याकरे सते
राकरूंनहीं बिसवास ॥कासीपस्तुतदेवीचमें
सफिरआज्यामेरपास ॥ गंगाजमनासीस घ-
रोफिरहमसैंकरइकलास ॥गोडम० ॥ ६ ॥
प्यारकरणकीखातरमैंलि गंगाजमनासीस ॥
कासिपस्तुत सुरजकीसोगनषालईबिसबावी-
स ॥मैसालाओरथे बनोईतंजद्योराजारीस
॥तजोरीसआवोतो महल मेंकरांबातकचेडी
जोड ।आगेआगेमै होलीनाम्हारलराअरजुन
गोड ॥ नोमहलेकी षीडकी आगेउबार ह-
गआगोड ॥ गोड० ॥ ७ ॥जडीपोलं ओरषि
डकिषुल्लीनहीं राजासीसनिवाव पहलीकाडया
पैर अगाडी देखो कालरावकोआव ।मैमारी
तलवारसीसघडपडोगीडूंदाषाव ।अरज०
॥८॥ अरजुनगोडंकोसेर ।हजरत सलामी
ल्योमैआया अमरसिंघकूं मारक ।मोरीमेव
डतकाकिया धडसूंजू दासीरतारक ॥अबमु-

जेमोताजद्यो थाराकोलवोलवीचारक ॥ बीडा
मषाया थासो आयाअबीकाम सुवारक ॥ १ ॥
सैर ॥ कामषोटातै कियाबे पीर हीमत हाररै ॥
ऐसैजबर छत्रीकूं तूं आयादगसूं माररै ॥ रज-
पूतांकानहीं धरमये मारविनाललकाररै ॥ नान
तहं ॥ तुजकूंकंम करंमजीनातेरोधर काररै ॥
॥ २ ॥ क्यूंमेराधरकारजीनातुमकहोसुरज्ञान
जी ॥ राठोड सांगेमैदगकानाकियाअनुसानजी
॥ उसकीलगीमेरकटारी कटगयाना करकानजी
॥ मेरीलगीतरवारकीजद छोड दीना प्राणजी
॥ ३ ॥ दगाकिसीका सगानहीं दषो करकर
हाथरें ॥ नकटातै नाककटायकभलीबिगाडी
बातरे ॥ दिल्ली तषतकी ढालतै ढाईकरामनधा
तरे ॥ नावादियातेराकाटनीकलज्यातूंइबकी
स्यातरें ॥ ४ ॥ किसनानाईकीटेर ॥ रामसिंगरं
गमेंपडगयो भंगकँवरथारोमच्च्योआगरजंग ॥
दोहा ॥ मच्च्योआगरजंगकँवर मद छकियां

ऊठा ॥ ईश्वरतुमेरे आजसीसकोसनमुषरूठो
॥ अमरसिंघजीचढ्याजाय सलाबतमारो ॥
फेरबादस्याजोडकचेडीबातबिचाख्योबीडोफे-
ख्योबादस्याउनझेल्यो अरजुन गोडजी ॥
नोकोटीको सेहरी सजीषप्यो आजराठोडजी
॥१॥ रामसिंग० ।टेर ॥ आजक्यूं मुखडो
दीस उदासकहोम्हानसाचीकिसनषवास॥
दोहा ॥ काकजीनषप्याबतावकिसनुंनाई॥
सुनतबात इनस्यातमेरेतनउमगी आई ॥गो
डाटीकूंचुलूंडुनै देकर धाई ॥ ज्यूंलंकामें दसर
थसुतकीफिरीधुहाई ॥काकजीनमारियोउन
बदस्यारचकजालरे ॥ हिंदवाणीरोसेहरो छो
तुरकाणीरोसालरे ॥ आजक्यूं० ॥२ ॥साल
रहीवाघडी भई सोकेघूंथान ॥ अरजुननाक
रकानकटाकर छीपगयो छानै ॥उनलेकरतल
वारषारकरकरपटकारी ॥ राजारछोअजान
कछूनहींबातबिचारी ॥बिदनाहदारख्यालयो

बरणा बीसबावीसजी ॥ सोलासांवत मारक
ससैल्यायोरावकोसीसजी ॥ राम० ॥ ३ ॥ धनर
किसनषवासकोलतै आच्छोपाल्यो ॥ लेकर
आयोसीसस्यामकोलूणउजाल्यो ॥ कामसु-
वार स्यामतणांसोबडाकुहाव ॥ छांनराषोसीस
झपटजोगनलेजाव ॥ ढकपलसूंसीससनवण्यो
ज्योअपणे भागरो ॥ काकीजीपासीरवभांगन्चल
देखवाकेसोआगरो ॥ आठ ॥ ४ ॥ रामसिंघजी
काकीजी ॥ टेर ॥ काकीजीम्हाराछिपियाआरासुर
जआगरसहरमें ॥ सूरजछीप्योथारी आमर
ससुणकाकीचतुरसुजान ॥ सलाबतकूं मारक
सकाकोजीरह्याअंजान ॥ फेरबादस्यातोतर
च्योउनकूं वदांहंदीषान ॥ सारीफोजबुलायके
लईआमषासमजोड ॥ मेल्योतेगोबीडलोसउ-
न झेल्योअरजुनगोड ॥ सालरावकये ॥ मारी
छातिकूं कस्चोटतनधायक ॥ अबमोयसीषदी
वायो ॥ लूटल्यूंगोडावादीजाये ॥ तेगपर झडे

अंगारा ॥छीपियो० ॥ १॥टेर ॥मेराकंवररंगी
लामुषसैंकेबातहठीलातूंकरै ॥दोहा ॥सुनरे
लडकारामसिंघकूंछतुजकूंनहींषियाल ॥तुम्हा
रेकुलकोचांदनो सरेमोत्यामलीलाल ॥ काको
थारोपीवहमारीबद्धस्याकोउरसाल ॥राठोडीं
मेराजवीवस्तूंरारासिरमोड ॥ राजलियोकंनो
जकोसवानोसकीलातोड ॥तूंमतनाडरैरे ॥ मूं
गलाणीरीसेंजघणीतो सूनीकररैरे ॥लेवआगरो
तोडतेरो काकोजीसिघराठोड॥बोलदेषल मेहे-
ला ॥मुष०॥२॥हेलोवोल बादस्यामारोकाको
जीझोपाल ॥ आजरहगईआगरसम्हारी जो
घाणारीढाल ॥ हिंदवाणीरोंसेहरोसछोतुरका
णीसेसाल ॥अरजनगोडदगोकरमारयावीना
हकाल ॥लालचकमांआगयोसवोकरमहीनकं
गाल ॥ घातबिचारीथोये ॥ करीतोभणकुंरांड॥
बैणेईकुंमारयाये ॥करीनमनमेंकाण ॥दुष्टउनहा
रयादगेसेंप्राण ॥झाणनदियासहारा ॥छीपिया०

॥३॥ दियोसहारोभैणनसउनदुष्टगोडकमजात॥
दयानआईमारतांसउनबैणेईपरहाथ ॥ माल
कषपगयोआगरसम्हारकच्चो छोडथोसाथ।अ-
नहोणीहोणीनहिंसहोणीहोसोहोय।विदनाक अं-
कुरकुंसरैमेटनसककोय॥लालयायूंअडीरे ॥ बी-
रअरजुनजोडउढादईचूंदडीरे॥करोहत्यारपापवी
रकलगजोभैणसराप॥ याथीभगवतकी लीला॥
मुष०॥४॥लीलाभगवतकरीसोदेषीतूंमतहोव उदा
स ॥ सोलासांवतबास्सीसयोल्यायो किसनषु
बास।सीरवलेवुंम्हांनसीषदेवोम्हेजावांबदस्या
पास ॥ कांकजीकोवैरलायम्हे बदस्यापाजाय
॥ दांरूतणीगंजमैंउनम्हारदीनी छै आगलगा
य॥ सीलगच्चोगणीये ॥जोबीतारीरामसोपडली
भोगणीये।तुमभतकरोजीविलापसीषम्हानदेद्यो
षुसी होयआप॥ दिषाऊंदीननैतारा।छिपियाव
५।तूंकेलालदिरवावताराउसपरराजीराम ॥ इ-
वमतकर दिवानाबदस्याआषरअपणुंस्याम॥

॥३॥ दियोसहारो भैणनसउनदुष्टगोडकमजात॥
दयानआई मारतांसउनबैणेई परहाथ ॥ माल
कषपगयो आगरसम्हारकचो छोडयोसाथ।अ-
नहोणीहोणीनहिंसहोणीहोसोहोय।विदनाक अं-
कुरकुंसरैमेटनसककोय॥लालयायूंअडीरे ॥ बी-
रअरजुनजोडउढादईचूंदडीरे॥करोहत्यारपापवी
रकलगजोभैणसराप॥याथीभगवतकी लीला॥
मुष०॥४॥लीलाभगवतकरीसोदेषीतूं मतहोव उदा
स॥ सोलासांवतबास्सीसयोल्यायो किसनषु
बास॥सीरवलेवुं म्हांनसीषदेवोम्हेजावांबदस्या
पास॥ कांकजीकोवीरलायम्हेबदस्यापाजाय
॥ दारुतणीगंजमैंउनम्हारदीनी छै आगलगा
य॥ सीलगच्योगणीये ॥जोबीतारीरामसोपडली
भोगणीये।तुममतकरोजीविलापसीषम्हानदेद्यो
षुसी होयआप॥ दिषाऊंदीननैतारा॥छिपियाव
५॥तूंकेलालदिरवावताराउसपरराजीराम ॥ ह-
ठमतकरदिवानाबदस्याआषरअपणुंस्याम॥

चुगलषोरवोरदगावाजकैमैअबजीनरोऊंगी
॥ सीर० ॥ १ ॥ लिषुहालदेवरपठाणपरवानांबां
चरआवोजी ॥ थारोभाईषपगयोआजमतहंम
स्हूनजरछिपावोजी ॥ आजपडीम्हारमैभीडम्हां
रोबालकसाथसमावोजी ॥ पगडीबदलेकी सरम
आजथेजलदीचढकरआवोजी ॥ सेर० ॥ यकदं
मजुदारहतानहींमिरपीवस्युंपठानजी ॥ भाईष
प्योथारोजुद्धमैंक्यूंवीसरगयाथेषानजी ॥ बाजी
होईमेरीमातपीवविनदुषीहोरहीज्यांनजी ॥ बै
दीनगयाथेभूलहाथूंसैषीलातीपानजी ॥ थेभू-
ल्योमैंबाटपियाकीजनम दूसरजोऊंगी ॥ सीर०
॥ २ ॥ बनीबनीकासबसीरीबीगरीमकोईयेनआ
वह ॥ जोधाणनाथकीनारहाडीजीयूंपिसतावह ॥
रामसिंगमेराबालकवोनहींझगडाझेलण पावह
॥ बदंस्याकीधाकस्युंसबजोधाधबरावह ॥ सेर ॥
किसमतकस्यायेकामनाई दोसकोई ओरका ॥
क्याठिकाणाआजउसबदंस्याकसीनाजोरका ॥

हुकमहेतामीलहिंदुस्तानमउसचोरका ॥ हो-
सतीदुरसीसध्धूंजावोनासचुगलीषोरका ॥धहूं
कहूंमकिसैआजसुखदुखअसबासुंधोऊंगी ॥
सीर० ॥३॥लेकेसीसगईबैठचीतामसबदहीयेह
रहस्चीना ॥ वैसुरगलोकसैआगयेईश्वरगोरारंग भी
ना ॥करामातसें लोथ मंगाकर छीटाअमीरस-
कादीना ॥शिवसंकरजी गोरांप्राणंसरजीवनप्रीत
मकाकीना ॥सेर॥ अमरहै दुनियांमें देखो अमर
सिंघकानामजी ॥सायर होवसोसमजल्योसूर
खकाक छयेनकांमजी ॥ ख्यालदोहेकोगुरुमो
यमिल्योगोविंदरामजी ॥ कहेउजीरोस्योबक
सजीकाध्यानआठूंयामजी ॥ हाडीकहेबीरंअ
रजनकामैं अबनांवबीगोऊंगी ॥सीर० ॥ ४ ॥
लावणीरामसिंघजी ॥रंगतलंगडी ॥ काकजीको
वैरलैणमेंतषतआगरैजाऊंगो ॥बदस्यानेंआंख
सैंसूरमातणीतेगदिषलाऊंगो ॥चोक० ॥सदा-
भवानीरखूदाहंनीगोरीपुत्रमनायाहु ॥सब भाई

बेटा भेजकर परवाना बुलवायाह ॥ सवालाष
हुई फोजकूं टमसबजोधाईजोधा आयाह ॥ घोड़ू
पैसलामीलिरव्यासूरबीरकाजायाह ॥ सैर० ॥ मुल
कोंमपडतीधाकहूंमजोधाणपतंसिरमोडकी ॥
आवन घालेहाथ ऐसीफोजहमराठोडकी ॥ बाद
स्यानितबादकरतोबळतनितमरोडकी ॥ मेरेलि-
खीहेहाथविधंनामोत अरजुनगोडकी ॥ ज्यूंका
कजीमारयोसलाबतज्यूं अरजुननें मारूंगो ॥
बद० ॥ १ ॥ होईनगारदोडचढ्योराठोडसंगजस
वतबंका ॥ यातोडां आगसेजैसे दसरत सुततोडी
लंका ॥ हजरतनेपकडांहकालम्हेंदेरनगारेपै
डंका ॥ गयोभूलबादस्यानहिमानी राठोडां
कीसंका ॥ सैर ॥ भूल्योफिरवोबादस्यानहिं
मानीम्हारीकांणजी ॥ कांकोजीमांरयो छोदगेसें
एकलोसोजाणजी ॥ अबंकियाहथियार मैं
सबल्याधरघरुसैंसाणजी ॥ तोबूंकी सरलकसु
णीजदंआकरमिल्यो पठाणजी ॥ चल्याकुचधर

कुचकीलैक आगतं सुरुपाऊंगो ।। बंद० ।। २ ।। मै परवानो लिखकर अबबदस्याकूं चेतकरां याह ।। तूं समलबादस्या तेरालणी ष्हार आगर आयाह ।। गोविंदरामउस्तादमुझेगानासुरताल बतायाह ।। सेर ।। तेलीउजीरोयूंक हरस देखो मेरे ख्यालका ।। यारु काहू मयार मैरेमुरसदूका बालका ।। दुसमन मेरे कामेऊ षोडन बालाहूं अब सालका ।। नींदराकरम्हारी भष उसकूं भवानी कालका ।। कृपाहुईगुरवांकीष्यालमताजाता गाऊंगा ।। ३ ।। रामसिंगको बादस्यासैं । सैर ।। समलस्या जांनबादस्या अब आगयाराठोडजी ।। करचेतझेलोमीर चाल्यो फोजसारीजोडजी ।। अब सुरमाका हाथदेषोद्या मुहाणीमोडजी ।। कितगयोवो सिंगथारो बता अरजनगोडजी ।। १ ।। उसगोडअरजननें दियोमैं मुलक स्युं निकालैरे ।। गोडा टीकरकै ख्यालसैउसकाकिया

बेहालरे ॥ उनअमरसिंघसैंदगोकरकर मारी
थाभोपालरे ॥जोधाणपत छो सुरमोमरैतषतकी
ढालरे ॥टेर॥ बादस्याआयपूंच्या रावोड मोर
चाझेलफोजलेवोजोड ॥ दोहा॥ सनमुरव
झेलोमोरचासअबआयपूंच्याराठोड ॥ का
कजीनदेषएकलोथारचढगयोजोर ॥ कित
गयोमनै दिषायंदेसतेरे सांवत अरजनगोड
॥सांवतअरजनगोडदिषादेआषस्युं ॥ नहीं
उसकबदलतनै मारमैनाषस्युं ॥बादस्या०॥
१॥टेर ॥रामसिंग हुणहारकीबातरैनहीं रही
किसींके हाथ ॥ दोहा ॥ होणीथीसोहोगई
सअबसोचकस्याके होय ॥होणीआण पडी
रावणमेंलंकादीनीषोय॥ विदनाके अंकुर
कुसरमेटसकैनाकोय ॥मेटसकैनाकोयद-
गो अरजनकियो ॥ उननावोकाढरपागल आ
बमकंरदीयों ॥रामसिंघ०॥२॥अबथेनांवोका
टोपलीकरराष्योछोसेर ॥मुगलांके भरमां-

येस्युंथेबीडोदीनोफेर ॥ अबलाजम्हारी जातलियेविनकाकजीकोवेर ॥ काकजीकोवैरलियेविननाहटा ॥ चायेकरल्योलाषउपायकडाटयानाइटा ॥ बद० ॥ ३ ॥ उटयासरलोसूरमांतीरमनमेंराषोआतः ॥ दुगोकरनीयामनबोसरआवरसीज्यापाता ॥ थेमामकामभुवांका अडकरअपणानाता ॥ अडकरअपणानातासापसम्हालर ॥ राठोडआगरतणीहमारीढालर ॥ रामसिं० ॥ ४ ॥ डाल्योनातोतोडआपथेचोषोसाषजणायो ॥ नोकूंठीकोमोडहमारोथेचुगलांकनमरायो ॥ उसकोबदलसेररवानपठाणआपपरआयो ॥ आयोषाणपठाणबषेडोबातम ॥ तेरीबदस्याईनगारतकरदेस्यातम ॥ बाद० ॥ ५ ॥ क्यूंबदस्याई गारतकरता सुनो सूरमावात ॥ जसवंतकूं दियामालवा सजाकेरकूं गुजरात ॥ तज द्यो वैरविरोधनसथे हुकम करो दिनरात ॥ हुकमकरोदिनरातबातमानो

षरी ॥ तेरीलाषटकानीतचलू करदी नोकरी ॥
रामसिंघ० ॥ ६ ॥ चलूकरदीनोकरी सम्हां
रोबदस्यामानबधायो ॥ कायमरहो राजदी
लीकानितउठतेजसवायो ॥ समजोतषत आ-
गरेकाये राठोडान पायो ॥ सेरषानपठानराड
मिटवादई ॥ म्हारीबदस्यासैदसतापोसी क
रवादई ॥ बादंस्या० ॥ ७ ॥ दसतापोसीहु
ईरामसिंगदाता मेलमिलाया ॥ सेरषान पठा
नकासम्हे दूणा मानवधाया ॥ गोविंदरामगुर
किरपाकरीजदष्यालउजीरगाया ॥ तेलीचतु
रउजीरख्यालकथ्योवेसजी ॥ कर रावोडा
नराजीलेज्यादेसजी ॥ रामसिंघ० ॥ ८ ॥

इति
अमरसिंघ हाडी राणीका ख्याल समाप्त.

ख्यालोंकासूचीपत्र॰

सर्वप्रकारके पुस्तक मिलनेकापता:-

पं॰ सन्तुरामजी पुरदमल

प्राचीनपुस्तकालय॰ गोपालवाडी॰ मुंबई नं॰२